



Haryana Government Gazette

EXTRAORDINARY

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 71-2019/Ext.] CHANDIGARH, FRIDAY, APRIL 26, 2019 (VAISAKHA 6, 1941 SAKA)

हरियाणा सरकार

आबकारी तथा कराधान विभाग

अधिसूचना

दिनांक 26 अप्रैल, 2019

संख्या 56/जीएसटी-2.- हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 19), की धारा 164 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, हरियाणा माल और सेवा कर नियम, 2017, को आगे संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

- (1) ये नियम हरियाणा माल और सेवा कर (चतुर्थ संशोधन) नियम, 2019, कहे जा सकते हैं।
(2) ये नियम 23 अप्रैल, 2019 से लागू हुए समझे जाएंगे।
- हरियाणा माल और सेवा कर नियम, 2017 (जिन्हें, इसमें, इसके बाद, उक्त नियम कहा गया है) में, नियम 23 में, उपनियम (1) में, प्रथम परंतुक के बाद, निम्नलिखित परंतुक रखे जाएंगे, अर्थात् :-

“परंतु यह और कि रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण के आदेश की तिथि से रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण के प्रतिसंहरण की तिथि तक की अवधि के लिए बकाया सभी विवरणियां, उक्त व्यक्ति द्वारा रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण के प्रतिसंहरण की तिथि से तीस दिन की अवधि के भीतर प्रस्तुत की जाएंगी:

परंतु यह और कि जहां रजिस्ट्रीकरण भूतलक्षी प्रभाव से रद्द किया गया है, वहां रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण की प्रभावी तिथि से रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण के प्रतिसंहरण की तिथि तक की अवधि से संबंधित सभी विवरणियां भी रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण के प्रतिसंहरण की तिथि से तीस दिन की अवधि के भीतर प्रस्तुत करेगा।”।

3. उक्त नियमों में, नियम 62 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“62. विवरण और विवरणी को प्रस्तुत करने का प्ररूप और रीति.—(1) धारा 10 के अधीन कर का भुगतान करने वाला या हरियाणा सरकार, आबकारी तथा कराधान विभाग, अधिसूचना संख्या 32/ जीएसटी-2, दिनांक 08 मार्च, 2019 का लाभ प्राप्त करते हुए कर का भुगतान करने वाला प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति —

- (i) किसी तिमाही या उसके भाग, जैसी भी स्थिति हो, के लिए ऐसी तिमाही के उत्तरवर्ती मास के अठारहवें दिन तक **प्ररूप जीएसटी सीएमटी-08** में स्वतः निर्धारित कर के भुगतान के ब्यौरे अंतर्विष्ट करते हुए; तथा
 - (ii) प्रत्येक वित्तीय वर्ष या उसके भाग, जैसी भी स्थिति हो, के लिए ऐसे वित्तीय वर्ष की समाप्ति के आगामी अप्रैल माह के तीसवें दिन तक **प्ररूप जीएसटीआर-4** में, विवरणी इलैक्ट्रानिक रूप में या सीधे या आयुक्त द्वारा अधिसूचित किसी सुविधा केंद्र के माध्यम से प्रस्तुत करेगा।
- (2) उपनियम (1) के अधीन विवरण प्रस्तुत करने वाला प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, अधिनियम या इस अध्याय के उपबंधों के अधीन भुगतानयोग्य कर या ब्याज के लिए अपने दायित्व का निर्वहन इलैक्ट्रानिकी रोकड़ बही के नामे डालकर करेगा।
- (3) उपनियम (1) के अधीन प्रस्तुत विवरणी में निम्नलिखित शामिल होंगे —
- (क) रजिस्ट्रीकृत और गैर-रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों से प्राप्त आवक प्रदायों के अंतर-राज्य और अंतःराज्य के बीजक वार ब्यौरे;
 - (ख) की गई जावक प्रदायों के समेकित ब्यौरे;
- (4) कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिसने वित्त वर्ष के आरंभ से धारा 10 के अधीन कर भुगतान करने का विकल्प लिया है या हरियाणा सरकार, आबकारी तथा कराधान विभाग, अधिसूचना संख्या 32/ जीएसटी-2, दिनांक 08 मार्च, 2019 का लाभ प्राप्त किया है, जहां अपेक्षित हो, उस अवधि से संबंधित आवक और जावक प्रदायों और नियम 59, 60 और 61 के अधीन विवरणी के ब्यौरे, जिसके दौरान वह व्यक्ति ऐसे ब्यौरे और विवरणियों को पश्चात्पूर्व वित्त वर्ष के सितंबर मास के लिए विवरणी प्रस्तुत करने की सम्यक् तिथि या पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष की वार्षिक विवरणी को प्रस्तुत करने की सम्यक् तिथि, जो भी पहले हो, प्रस्तुत के लिए दायी था, प्रस्तुत करेगा।
- व्याख्या —** इस उपनियम के प्रयोजन के लिए, यह घोषित किया जाता है कि व्यक्ति, प्रदायकर्ता से उसके द्वारा समिश्र स्कीम का विकल्प लेने या हरियाणा सरकार, आबकारी तथा कराधान विभाग, अधिसूचना संख्या 32/जीएसटी-2, दिनांक 08 मार्च, 2019 का लाभ प्राप्त करते हुए कर के भुगतान का विकल्प लेने से पूर्व अवधि के लिए बीजकों या नामे नोटो पर इनपुट कर प्रत्यय लेने के लिए पात्र नहीं होगा।
- (5) कोई रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जो स्वप्ररेणा से द्वारा समिश्र स्कीम से हटने का विकल्प लेता है या जहां समुचित अधिकारी की पहल पर विकल्प को वापिस ले लिया जाता है, वहां आवश्यकता होने पर ऐसी अवधि जिसके लिए, तिमाही जिसमें प्रत्याहरण की तिथि आती है, के उत्तरवर्ती मास के अठारहवें दिन तक समिश्र स्कीम के अधीन कर का भुगतान किया है, के लिए **प्ररूप जीएसटी सीएमपी-08** में विवरण प्रस्तुत करेगा और वित्तीय वर्ष जिसके दौरान ऐसा प्रत्याहरण आता है की समाप्ति के उत्तरवर्ती अप्रैल मास के तीसवें दिन तक उक्त अवधि के लिए **प्ररूप जीएसटीआर-4** में विवरणी प्रस्तुत करेगा।
- (6) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति जिसने हरियाणा सरकार, आबकारी तथा कराधान विभाग, अधिसूचना संख्या 32/जीएसटी-2, दिनांक 08 मार्च, 2019 का लाभ प्राप्त करना बंद कर दिया है जहां अपेक्षित हो, ऐसी अवधि के लिए तिमाही जिसमें परिविरति तिथि आती है से उत्तरवर्ती मास के अठारहवें दिन तक उक्त अधिसूचना के अधीन लाभ प्राप्त करते हुए कर का भुगतान किया है **प्ररूप जीएसटी सीएमपी-08** में विवरण प्रस्तुत करेगा और वित्तीय वर्ष जिसके दौरान ऐसी परिविरति होती है की समाप्ति के उत्तरवर्ती अप्रैल मास के तीसवें दिन तक उक्त अवधि के लिए **प्ररूप जीएसटीआर-4** में विवरणी प्रस्तुत करेगा।” ।

4. उक्त नियमों में, प्ररूप जीएसटी सीएमपी-07 के बाद, निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात्:-

“प्ररूप जीएसटी सीएमपी-08

(देखिये नियम 62)

स्वतः निर्धारित कर के भुगतान के लिए विवरण

										वित्तीय वर्ष					
										तिमाही					
1.	जीएसटीआईएन														
2.	(क)	विधिक नाम	<स्वतः>												
	(ख)	व्यापार नाम	<स्वतः>												
	(ग)	एआरएन													
	(घ)	दायर करने की तिथि	<स्वतः> (दायर करने के पश्चात्)												

3. स्वतः निर्धारित दायित्व का सारांश

(कुल अग्रिम, जमा और नामे नोट और संशोधन इत्यादि के कारण कोई अन्य समायोजन)

(सभी सारणियों में रुपयों में राशि)

क्रम संख्या	विवरण	मूल्य	एकीकृत कर	केंद्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7
1.	जावक प्रदाय (छूट प्राप्त प्रदाय को सम्मिलित करते हुए)					
2.	सेवाओं के आयात को सम्मिलित करते हुए रिवर्स प्रभार को आकर्षित करते हुए आवक प्रदाय					
3.	भुगतानयोग्य कर (1+2)					
4.	भुगतानयोग्य ब्याज, यदि कोई हो					
5.	भुगतान किया गया कर और ब्याज					

4. सत्यापन

मैं, इसके द्वारा, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त दी गई सूचना मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है तथा इसमें कुछ भी छुपाया नहीं गया है।

स्थान :
तिथि:

हस्ताक्षर

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता का नाम
पदनाम/हैसियत

अनुदेश :

- हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 10 के उपबंधों के अधीन कर का भुगतान करने वाला या हरियाणा सरकार, आबकारी तथा कराधान विभाग, अधिसूचना संख्या 32/जीएसटी-2, दिनांक 08 मार्च, 2019 का लाभ प्राप्त करने वाला करदाता, सम्यक् तिथि तक तिमाही आधार पर कर का भुगतान करेगा।
- देयता के विरुद्ध अग्रिम, जमा/नामे नोट या सुधार के कारण समायोजन की सूचना दी जाएगी।
- नकारात्मक मूल्य की सूचना दी जा सकती है जैसे कि ऐसा मूल्य समायोजन के बाद आया है।
- यदि कुल भुगतानयोग्य कर नकारात्मक हो गया है, तब उसे अगली कर अवधि के लिए, उस कर अवधि में उसका उपयोग करने के लिए अग्रेषित किया जाएगा।
- यदि भुगतान देय तिथि के बाद किया जाता है, तो ब्याज उद्ग्रहणीय होगा।
- ‘शून्य’ विवरणी दायर की जाएगी, यदि तिमाही के दौरान कोई कर देयता बकाया नहीं है।”।

5. उक्त नियमों में, प्ररूप जीएसटी आरईजी-01 में, अनुदेश संख्या 16 के बाद, निम्नलिखित अनुदेश रखा जाएगा, अर्थात् :-
- “17. करदाता, जो यथा संशोधित हरियाणा सरकार, आबकारी तथा कराधान विभाग, अधिसूचना संख्या 32/जीएसटी-2, दिनांक 08 मार्च, 2019 का लाभ प्राप्त करते हुए कर का भुगतान करना चाहते हैं, वे इस प्ररूप के क्रम संख्या 5 और 6.1 (iii) पर ऐसा विकल्प उपदर्शित करेंगे।”।

संजीव कौशल,
अपर मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
आबकारी तथा कराधान विभाग।

HARYANA GOVERNMENT
EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

Notification

The 26th April, 2019

No.56/GST-2.— In exercise of the powers conferred by section 164 of the Haryana Goods and Services Tax Act, 2017 (19 of 2017), the Governor of Haryana, hereby makes the following rules further to amend the Haryana Goods and Services Tax Rules, 2017, namely:-

1. (1) These rules may be called the Haryana Goods and Services Tax (Fourth Amendment) Rules, 2019.
- (2) They shall be deemed to have come into force with effect from 23rd April, 2019.
2. In the Haryana Goods and Services Tax Rules, 2017 (hereinafter called the said rules), in rule 23, in sub-rule (1), after the first proviso, the following provisos shall be inserted, namely:-

“Provided further that all returns due for the period from the date of the order of cancellation of registration till the date of the order of revocation of cancellation of registration shall be furnished by the said person within a period of thirty days from the date of order of revocation of cancellation of registration:

Provided also that where the registration has been cancelled with retrospective effect, the registered person shall furnish all returns relating to period from the effective date of cancellation of registration till the date of order of revocation of cancellation of registration within a period of thirty days from the date of order of revocation of cancellation of registration.”.

3. In the said rules, for rule 62, the following rule shall be substituted, namely:-

“62. Form and manner of submission of statement and return.- (1) Every registered person paying tax under section 10 or paying tax by availing the benefit of the Haryana Government, Excise and Taxation Department, Notification No. 32/GST-2, dated the 8th March, 2019 shall -

- (i) furnish a statement, every quarter or, as the case may be, part thereof, containing the details of payment of self-assessed tax in **FORM GST CMP-08**, till the 18th day of the month succeeding such quarter; and
- (ii) furnish a return for every financial year or, as the case may be, part thereof in **FORM GSTR-4**, till the thirtieth day of April following the end of such financial year, electronically through the common portal, either directly or through a Facilitation Centre notified by the Commissioner.
- (2) Every registered person furnishing the statement under sub-rule (1) shall discharge his liability towards tax or interest payable under the Act or the provisions of this Chapter by debiting the electronic cash ledger.
- (3) The return furnished under sub-rule (1) shall include the,—
 - (a) invoice wise Inter-State and Intra-State inward supplies received from registered and un-registered persons; and
 - (b) consolidated details of outward supplies made.
- (4) A registered person who has opted to pay tax under section 10 or by availing the benefit of the Haryana Government, Excise and Taxation Department, Notification No. 32/GST-2, dated the 8th March, 2019

from the beginning of a financial year shall, where required, furnish the details of outward and inward supplies and return under rules 59, 60 and 61 relating to the period during which the person was liable to furnish such details and returns till the due date of furnishing the return for the month of September of the succeeding financial year or furnishing of annual return of the preceding financial year, whichever is earlier.

Explanation.— For the purposes of this sub-rule, it is hereby declared that the person shall not be eligible to avail input tax credit on receipt of invoices or debit notes from the supplier for the period prior to his opting for the composition scheme or opting for paying tax by availing the benefit of the Haryana Government, Excise and Taxation Department, Notification No. 32/GST-2, dated the 8th March, 2019.

- (5) A registered person opting to withdraw from the composition scheme at his own motion or where option is withdrawn at the instance of the proper officer shall, where required, furnish the statement in **FORM GST CMP-08** for the period for which he has paid tax under the composition scheme till the 18th day of the month succeeding the quarter in which the date of withdrawal falls and furnish a return in **FORM GSTR-4** for the said period till the thirtieth day of April following the end of the financial year during which such withdrawal falls.
- (6) A registered person who ceases to avail the benefit of the Haryana Government, Excise and Taxation Department, Notification No. 32/GST-2, dated the 8th March, 2019, shall, where required, furnish a statement in **FORM GST CMP-08** for the period for which he has paid tax by availing the benefit under the said notification till the 18th day of the month succeeding the quarter in which the date of cessation takes place and furnish a return in **FORM GSTR - 4** for the said period till the thirtieth day of April following the end of the financial year during which such cessation happens.”.

4. In the said rules, after **FORM GST CMP-07**, the following form shall be inserted, namely:-

“Form GST CMP - 08

[see rule 62]

Statement for payment of self-assessed tax

												Financial Year					
												Quarter					
1.	GSTIN																
2.	(a)	Legal name	<Auto>														
	(b)	Trade name	<Auto>														
	(c)	ARN	<Auto> (After filing)														
	(d)	Date of filing	<Auto> (After filing)														

3. Summary of self-assessed liability

(net of advances, credit and debit notes and any other adjustment due to amendments etc.)

(Amount in ₹ in all tables)

Serial Number	Description	Value	Integrated Tax	Central Tax	State/ UT Tax	Cess
1	2	3	4	5	6	7
1.	Outward supplies (including exempt supplies)					
2.	Inward supplies attracting reverse charge including import of services					
3.	Tax payable (1+2)					
4.	Interest payable, if any					
5.	Tax and interest paid					

4. Verification

I hereby solemnly affirm and declare that the information given herein above is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed there from.

Place :

Date:

Signature

Name of Authorised Signatory

Designation/Status

Instructions:

- The taxpayer paying tax under the provisions of section 10 of the Haryana Goods and Services Tax Act, 2017 or by availing the benefit of the Haryana Government, Excise and Taxation Department, Notification No. 32/GST-2, dated the 8th March, 2019 shall make payment of tax on quarterly basis by the due date.
- Adjustment on account of advances, credit/debit notes or rectifications shall be reported against the liability.
- Negative value may be reported as such if such value comes after adjustment.
- If the total tax payable becomes negative, then the same shall be carried forward to the next tax period for utilising the same in that tax period.
- Interest shall be leviable if payment is made after the due date.
- ‘Nil’ Statement shall be filed if there is no tax liability due during the quarter.”.

5. In the said rules, in **FORM GST REG-01**, after instruction number 16, the following instruction shall be inserted, namely:-

“17. Taxpayers who want to pay tax by availing benefit of the Haryana Government, Excise and Taxation Department, Notification No. 32/GST-2, dated the 8th March, 2019, as amended, shall indicate such option at serial No. 5 and 6.1(iii) of this Form.”.

SANJEEV KAUSHAL,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Excise and Taxation Department.